

धन्य है वह जाति जिसका परमेश्वर यहोवा है;
और जिन लोगों को उस ने अपने निज निज
भाग के लिये चुन लिया है। भजन 33:12



चार सत्य हैं जन्हें हमें पूरी तरह से समझने की आवश्यकता है:

1 भगवान तुम्हे प्यार करते हैं

परमेश्वर चाहता है कि आप उसके साथ स्वर्ग में अनन्त जीवन पाएं।
क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उस ने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे, वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए। यूहन्ना 3:16

परमेश्वर चाहता है कि आपका जीवन प्रचुर और अर्थपूर्ण हो।
चोर किसी और काम के लिये नहीं परन्तु केवल चोरी करने और घात करने और नष्ट करने को आता है। मैं इसलिये आया कि वे जीवन पाएं, और बहुतायत से पाएं। यूहन्ना 10:10

हालांकि, बहुत से लोग एक सार्थक जीवन का अनुभव नहीं करते हैं और अनन्त जीवन के बारे में अनिश्चित हैं क्योंकि...

2 मनुष्य स्वभाव से पापी है। इसलिए वह भगवान से अलग हो गया है।

इसलिये कि सब ने पाप किया है और परमेश्वर की महिमा से रहति हैं।
रोमियों 3:23

क्योंकि पाप की मजदूरी तो मृत्यु है... रोमियों 6:23

और जैसे मनुष्यों के लिये एक बार मरना और उसके बाद न्याय का होना नियुक्त है। इब्रानियों 9:27

पर डरपोकों, और अविश्वासियों, और घनिनों, और हत्यारों, और व्यभिचारियों, और टोन्हों, और मूर्तपूजकों, और सब झूठों का भाग उस झील में मिलेगा, जो आग और गन्धक से जलती रहती है: यह दूसरी मृत्यु है॥
प्रकाशति वाक्य 21:8

यदि मनुष्य अपने पाप के कारण परमेश्वर से अलग हो जाता है, तो इस समस्या का समाधान क्या है?
हम अक्सर इन्हें समाधान के रूप में सोचते हैं:
धर्म, अच्छे कर्म, नैतिकता
हालांकि, भगवान द्वारा प्रदान किया गया केवल एक ही समाधान है।

3 यीशु मसीह ही स्वर्ग का एकमात्र मार्ग है।

यीशु ने उस से कहा, मार्ग और सच्चाई और जीवन मैं ही हूँ; बनि मेरे द्वारा कोई पति के पास नहीं पहुंच सकता। यूहन्ना 14:6
इसलिए कि मसीह ने भी, अर्थात् अधमरियों के लिये धर्मी ने पापों के कारण एक बार दुख उठाया, ताकि हमें परमेश्वर के पास पहुंचाए: वह शरीर के भाव से तो घात किया गया, पर आत्मा के भाव से जलाया गया।
1 पतरस 3:18
जो पुत्र पर विश्वास करता है, अनन्त जीवन उसका है; परन्तु जो पुत्र की नहीं मानता, वह जीवन को नहीं देखेगा, परन्तु परमेश्वर का क्रोध उस पर रहता है ॥ यूहन्ना 3:36
हालांकि, केवल यह जानना पर्याप्त नहीं है कि यीशु मसीह ने हमारे लिए क्या किया है।

4 हमें अपने उद्धार के लिए प्रभु यीशु मसीह में अपना विश्वास रखना चाहिए।

हमारा उद्धार यीशु मसीह में विश्वास के द्वारा परमेश्वर की कृपा से संभव हुआ है।
क्योंकि विश्वास के द्वारा अनुग्रह ही से तुम्हारा उद्धार हुआ है, और यह तुम्हारी ओर से नहीं, वरन परमेश्वर का दान है। और न कर्मों के कारण, ऐसा न हो कि कोई घमण्ड करे। इफसियों 2:8-9

ईश्वर से यह प्रार्थना विश्वास के साथ कहें:
प्रभु यीशु, मेरे लिए आपके महान प्रेम के लिए आपका बहुत-बहुत
धन्यवाद। मैं स्वीकार करता हूँ कि मैं एक पापी हूँ और मैं क्षमा माँगता हूँ।
मेरे पापों के दंड का भुगतान करने के लिए क्रूस पर मरने के लिए धन्यवाद।
मैं आपके मृतकों में से जी उठने में विश्वास करता हूँ। अब से, मैं आप पर
अपने प्रभु और उद्धारकर्ता के रूप में भरोसा करता हूँ। मैं आपके अनन्त
जीवन के उपहार को स्वीकार करता हूँ और मैं अपना जीवन आपको
समर्पित करता हूँ। तेरी आज्ञाओं का पालन करने और तेरी दृष्टि में
अच्छा होने में मेरी सहायता कर। तथास्तु।

यदि आप यीशु मसीह में विश्वास करते हैं, तो आपके साथ नमिनलखिति
हुआ है:

- आपके पास परमेश्वर के साथ अनन्त जीवन है।
क्योंकि मेरे पिता की इच्छा यह है, कि जो कोई पुत्र को देखे, और उस
पर विश्वास करे, वह अनन्त जीवन पाए; और मैं उसे अंतर्निहित फरि
जला उठाऊंगा। यूहन्ना 6:40

- आपके सभी पाप क्षमा कर दिए गए हैं।

(भूतकाल वर्तमानकाल भविष्यकाल)

उसी ने हमें अन्धकार के वश से छुड़ाकर अपने प्रिय पुत्र के राज्य में
प्रवेश कराया। जिस में हमें छुटकारा अर्थात् पापों की क्षमा प्राप्त
होती है। कुलुससियों 1:13-14

- आप परमेश्वर की दृष्टि में बिल्कुल नए प्राणी हैं।

यह आपके नए जीवन की शुरुआत है।

सो यदि कोई मसीह में है तो वह नई सृष्टि है: पुरानी बातें बीत गई हैं; देखो,
वे सब नई हो गई। 2 कुरिन्थियों 5:17

- अब तुम परमेश्वर की सन्तान हो।

परन्तु जितनों ने उसे ग्रहण किया, उस ने उन्हें परमेश्वर के सन्तान
होने का अधिकार दिया, अर्थात् उन्हें जो उसके नाम पर विश्वास रखते
हैं। यूहन्ना 1:12

अच्छे कर्म करना मोक्ष का साधन नहीं है, बल्कि हमारे उद्धार का
प्रमाण है।